द्रोपदी को पांडव हस्तिनापुर में पासों के खेल में हार गये तब दुर्योधन ने छोटे भाई दुशासन को रानी द्रौपदी को दरबार में लाने के लिए कहा । तभी दुशासन द्रौपदी के पास गया और उनके बालों को पकड़ कर खींचते हुए दरबार में लेकर आया । सभी कौरवों ने मिलकर द्रौपदी का बहुत अपमान किया । दुर्योधन ने उसके बाद अपने भाई को भरी सभा में द्रौपदी का चीर हरण करने को कहा । दुशासन ने बिना किसी लज्जा के द्रौपदी के वस्त्र को खींचना शुरू किया परन्तु भगवान् श्रीकृष्ण की कृपा से दुशासन कपडे खींचते - खींचते थक गया परन्तु वह रानी द्रौपदी का चिर हरण ना कर पाया ।